UP Board Solutions for Class 8 Civics Chapter 2 देश की सुरक्षा एवं विदेश नीति

अभ्यास

प्रश्न 1.
निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए- .
(क) देश की सुरक्षा में सहायक संगठनों के बारे में लिखिए।
उत्तर
सेनाओं के तीन अंगों के अतिरिक्त कुछ अन्य संगठन हैं, जो देश की सुरक्षा के लिए कार्य करते हैं। देश की अंतरराष्ट्रीय सीमाओं पर स्थायी रूप से चौकसी का कार्य सीमा सुरक्षा बल (Border Security Force) नामक संगठन करता है। समुद्रतट की सीमाओं की सुरक्षा में तटरक्षक (Coast Guards) संगठन कार्य करता है। इसके कार्यों में रक्षा प्रतिष्ठानों की रक्षा करना, तस्करी रोकना तथा खोज-बचाव के दलों का * गठन करना मुख्य हैं। तीसरा महत्त्वपूर्ण संगठन प्रादेशिक सेना (TerritorialArrmy) है। यह नागरिकों का एक संगठन है। इसमें देश की सुरक्षा कार्य में भाग लेने के इच्छुक नागरिक अपने खाली समय में सैन्य प्रशिक्षण ले सकते हैं। चौथा संगठन नेशनल कैडेट कोर (N.C.C) है। इसमें बालकों के साथ-साथ बालिकाओं का भी डिवीज़न है। उच्च प्राथमिक विद्यालयों में स्काउट्स एवं गाइड्स के प्रशिक्षण की व्यवस्था है।

केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (CISF) एक अर्द्धसैनिक बल है जिसका मुख्य कार्य सरकारी कारखानों एवं अन्य सरकारी उपक्रमों को सुरक्षा प्रदान करना है। इसके अतिरक्ति देश की आंतरिक सुरक्षा, विशिष्ट लोगों की सुरक्षा, परमाणु संस्थान, ऐतिहासिक धारोहरों आदि की भी सुरक्षा करता है। केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल (CRPF) भारत के केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बलों में सबसे बड़ा है। यह भारत सरकार के गृह मंत्रालय के तहत काम करता है। सीआरपीफ की प्राथमिक भूमिका पुलिस कारवाई में राज्य/संघ शासित प्रदेशों की सहायता, कानून व्यवस्था और आतंकवाद विरोध में निहित है। रैपिड एक्शन फोर्स (RAF) केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल की एक शाखा है, जो दंगों एवं भीड़ को नियंत्रित करती है। राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (NSG) गृह मंत्रालय के निरीक्षण में काम करती है और इनका मुख्य कार्य विशिष्ट व्यक्तियों की रक्षा, बंधकों का बचाव महत्त्वपूर्ण प्रतिष्ठानों को आतंकवादी खतरों से सुरक्षित करना है।

(ख) विश्व में शांति स्थापित करने के लिए भारत ने किस नीति का समर्थन किया?
उत्तर
विश्व में शांति स्थापित करने के लिए भारत ने गुट निरपेक्षता की नीति का समर्थन किया।

(ग) पंचशीले क्या है एवं इसके सिद्धान्त कौन-कौन से हैं?
उत्तर
देश के प्रथम प्रधानमंत्री पं० जवाहर लाल नेहरू युद्ध के स्थान पर शान्ति को महत्त्व देते रहे। वह सभी राष्ट्रों की स्वतंत्रता एवम् समानता के समर्थक थे इसलिए किसी भी राष्ट्र के आंतरिक मामले में हस्तक्षेप करने के भी विरुद्ध थे। उनके इन्हीं विचारों से 1954 में पाँच सिद्धान्त बनाए गए जिन्हें पंचशील के नाम से जाना जाता है। ये हमारी विदेशनीति के आधार हैं। ये सिद्धान्त इस प्रकार हैं

- एक दूसरे की राज्य की सीमा एवम् उनकी प्रभुसत्ता का सम्मान किया जाए।

- एक दूसरे के भू-भाग पर आक्रमण न किया जाए।
- एक दूसरे के आंतरिक मामले में हस्तक्षेप न किया जाए।
- समानता और पारस्परिक लाभ को ध्यान में रखा जाए।
- शान्तिपूर्ण सह-अस्तित्व की भावना का पालन किया जाए।

(घ) कोरिया और कांगो के संकट के समय भारत ने संयुक्त राष्ट्र संघ की क्या सहायता की?
उत्तर
भारत जब से संयुक्त राष्ट्र संघ का सदस्य बना है, वह लगातार उसे अपना सहयोग प्रदान कर रहा है। संयुक्त राष्ट्र संघ के निर्देशों के पालन में ही कोरिया के संकट के समय भारत ने एक डाक्टरी दल भेजा एवं कांगों में संयुक्त राष्ट्र संघ के साथ अपनी सैनिक टुकड़ियाँ भेजीं।

प्रश्न 2.
रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए
उत्तर
(क) सेना में भर्ती होने के लिए पहले चयन **परीक्षा** होती है।
(ख) समुद्री मार्ग से तस्करी रोकने के लिए **तटरक्षक** संगठन कार्य करता है।
(ग) भारतीय सेनाओं का सर्वोच्च कमाण्डर **राष्ट्रपति** होता है।
(घ) शस्त्रों की होड़ से **युद्ध** की संभावनाएँ बढ़ जाती हैं।

प्रश्न 3.
निम्नलिखित कथनों में जो सही हों उनके आगे (✓) का चिह्न लगाइए|-
उत्तर

(क) भारतीय सेना के तीनों अंगों का मुख्यालय दिल्ली है। (✓)
(ख) वायु सेना के अधयक्ष को एडमिरल कहते हैं। (✗)
(ग) महिलाओं को सेना में भर्ती नहीं किया जा सकता। (✗)

https://www.evidyarthi.in/